Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

AFMA–143

M.A. (Final) Examination, 2023

SANSKRIT

(वर्ग 'इ' दर्शनशास्त्र)

Paper - VIII

(सांख्य योग मीमांसा दर्शन)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. (i) सांख्यमतेन दु:खत्रया: लिख्यताम्।

   (ii) अविकृति इति का ?

(iii) किं नाम प्रत्यक्षम् ?

(iv) सांख्यकारिकानुसारेण कस्य संज्ञा पुरुषः ?

(v) योगसूत्रानुसारेण योगस्य परिभाषा का ?

(vi) योगस्य कति अङ्गानि सन्ति ? नामानि लिखत।

(vii) प्रत्याहारस्य लक्षणं लिखत।

(viii) अभ्यासस्य लक्षणं योगसूत्रानुसारेण लिखत।

(ix) जैमिनीसूत्रकारेण प्रतिपादितं धर्मलक्षणं किम् ?

(x) मीमांसामतेन कति प्रमाणानि स्वीकृतानि ? नामानि लिखत।

खण्ड–ब

2. हेतुमदनित्यमव्यापि सक्रियमनेकमाश्रितं लिङ्गम्।

सावयवं परतन्त्रं व्यक्तं विपरीतमव्यक्तम्॥

कारिकेयं ससन्दर्भ व्याख्या कार्या (संस्कृतेन)।

3. सांख्यकारिकायाः सृष्टिक्रमवर्णनं सांख्यतत्वकौमुदीकार दृष्ट्या सटिप्पणं पर्यालोचयत।

4. प्रकृतेः विकृतेः परस्परं समानतां प्रदर्शयत्।

5. कयोश्चिद् द्वयोः सूत्रयोः ससन्दर्भं सटिप्पणश्च व्याख्या विधेया–

(क) तदाद्रष्टुः स्वरूपेऽवस्थानम्।

(ख) अभ्यासन्वैराग्याभ्यां तन्निरोधः।

(ग) भवप्रत्ययो विदेहप्रकृतिलयानाम्।

6. चित्तभूमि कतिविधः ? पातञ्जलसूत्रानुसारं पर्यालोचयत्।

7. सबीज समाधेः स्वरूपं योगसूत्रानुसारेण विवेच्यताम्।

8. जैमिनीसूत्रकारेण विवेचितं विधेः प्रामाण्यविषयं ससूत्रं सोदाहरणं शाबरभाष्य समन्वितं प्रतिपादयत।

खण्ड–स

9. प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः प्रकाशप्रवृत्तिनियमार्थाः।

   अन्योन्याभिभवाश्रयजननमिथुनवृत्तयश्च गुणाः॥

   कारिकेयं ससन्दर्भं सप्रमाणञ्च सांख्यतत्वकौमुदी दृष्ट्या पर्यालोचयत।

10. पुरुषबहुत्व विषये सांख्यकारिकायाः मतं सांख्यतत्त्वकौमुदी दृष्ट्या सतर्कं सटिप्पणश्च विश्लेषयत्।

11. पातञ्जलयोगे कति अङ्गानि सन्ति? सविस्तरेण प्रतिपादयत्।

12. मीमांसामते कुमारिलभट्ट मतेन प्रामाणानां पदार्थानां च विश्लेषणं कुरुत।